कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट – 6

20 मई 2020

राहत COVID : गरिमा महत्वपूर्ण है

मुश्किलों के इस दौर में आगे बढ़ने के दृढ़ संकल्प के साथ, लोगों की गरिमा और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखते हुए, हम अपने पहले से चल रहे राहत कार्यों के साथ-साथ एक बार फिर समुदाय के नेतृत्व वाले कार्यों की तरफ बढ़ रहे हैं। संपूर्ण भारत में हम लोगों को उन मुद्दों की पहचान करने और उन पर काम करने के लिए सशक्त, एकजुट और प्रेरित कर रहे हैं जिन्हें वे हल करना चाहते हैं... स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए। सड़क की मरम्मत से लेकर, जल निकायों की सफाई, सब्ज़ी बागान लगाना, पुल और विद्यालयों का निर्माण करना आदि। हमारी पहल 'श्रम सम्मान' (डिग्निटी फॉर वर्क-पहले 'क्लॉथ फॉर वर्क' के नाम से जाना जाता था) लोगों के हितों के कार्यों के लिए उनकी समान सहभागिता के साथ, वापस शुरू की जा रही है। इस पहल में व्यापक राहत किट शामिल है, यह उन सभी प्रतिभागियों को प्रदान की जाती है जो संबंधित गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं ।

केरल: वडक्केकरा पंचायत, एर्नाकुलम में सामुदायिक खेती के लिए घुमावदार मेढ़ (Contour Bunds) बनाना।

कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां :

• हमने सम्पूर्ण देश के अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और हमारी क्षेत्रीय टीमों के अलावा **230 सहभागी संस्थाओं के साथ 23 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशो** में काम शुरू हो गया है।

• **दस लाख किलो से अधिक राशन** तथा अन्य जरुरी सामग्री पहुंचाई जा चुकी है।

• स्थानीय सामुदायिक रसोइयों तक राशन पहुंचाया गया जिससे **1,43,000 लोगो के भोजन** का इंतज़ाम किया गया।

• स्वास्थ्य रक्षा संबंधी पहल: **1,90,000 फेस मास्क तथा 80,000 से अधिक सेनेटरी पैड** बनाए गए।

• **1,21,000 लोगो तक तैयार भोजन** पहुंचाया गया।

राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश जहाँ वर्तमान में गूँज कार्यरत है:

आँध्रप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिज़ोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल।

कार्यक्षेत्र से कुछ कहानियाँ...

तरक्की की राह में जुड़ाव...

झारखंड: पूर्वी सिंहभूम जिले में काम करते हुए जब हमारी टीम ने कालाझरना के ग्रामीणों को एकजुट किया, तो उन्होंने पंचडीह और बरूडीह के बीच की दूरी को 4-6 किलोमीटर कम करने के लिए एक पुल बनाने का निश्चय किया। यह गाँव खेतुवा ग्राम पंचायत के वन क्षेत्र के अंदर स्तिथ है। इस गाँव की आबादी 300 लोगो की है जो छोटे पैमाने पर कृषि करते है तथा वन उत्पादों का संग्रह करते है। प्रत्येक भागीदार परिवार ने पुल बनाने में बहुत मेहनत की और इसके साथ उन्होंने पुल बनाने के लिए अपनी ओर से 60 टुकड़े बांस के, 25 खुटा (लकड़ी के बड़े खम्बे) और 3 किलो पेच का योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने 1.5 किमी लंबी सड़क की मरम्मत का काम भी किया जो उन्हें मुख्य सड़क से जोड़ती है। गूँज ने उनके प्रयासों को राहत किट से पुरस्कृत किया।

उम्मीदें जगाना...

पश्चिम बंगाल- पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार के फोस्काडांगा गाँव का आंगनवाड़ी केंद्र (ICDS centre) लंबे समय से उपेक्षित रहा है। यह जंगल से सटा हुआ क्षेत्र है, मवेशी अक्सर केंद्र के अंदर घूमते हुए नज़र आ जाते है जिस कारण यह क्षेत्र गन्दा हो जाता है, इससे बच्चो के पढ़ने और खेलने की जगह साफ़ नहीं रहती थी। जब गूँज ने अपनी सहभागी संस्था के साथ ग्रामीणों को जुटाया तथा प्रोत्साहित किया तो उन्होंने इस क्षेत्र के पुनरुद्धार का निश्चय किया जिसके अंतर्गत ग्रामीणों ने बांस के बाड़ बनाना, पारो नदी से लाए गए पत्थरो के माध्यम से संपर्क मार्ग की मरम्मत करना, उस क्षेत्र में पेड़ लगाना और इमारत को चटकीले नीले रंग में रंगने का निर्णय किया। उनके इस प्रयास के लिए गूँज द्वारा पुरस्कार के रूप में केंद्र के लिए दरिया और खिलौने और परिवारों को राशन किट प्रदान किए गए। अब बच्चे आंगनवाड़ी केंद्र में समय बिता कर खुश हैं और ग्रामीणों का कहना है की वे इस परिसर में अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे।

हरियाली की ओर...

उत्तराखंड: इस पहाड़ी राज्य के ग्रामीणों के आय-सृजन का स्रोत बनाने के लिए वातन गाँव में एक विशाल वन अभियान चलाया जा रहा है। गूँज की टीम इस क्षेत्र के लोगो के साथ मिलकर पौधों, जड़ी-बूटियों, झाड़ियों आदि को मियावकी तकनीक के माध्यम से जंगलो में परिवर्तित करने का काम कर रही है। यह तकनीक घने जंगलो के निर्माण में मदद करती है। यह दृष्टिकोण 10 गुना तेजी से पौधे की वृद्धि सुनिश्चित करता है, जिसके परिणामस्वरूप 30 गुना सघन वृक्षारोपण होता है। इसी तरह की गतिविधि जल्द ही इस क्षेत्र के सात अन्य गांवों में शुरू होने जा रही है।

कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुंची तत्काल राहत सहायता

• दस लाख किलो राशन तथा अन्य आवश्यक सामग्री, राशन किट तथा सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से पहुंचाई गयी।

• 71,600 परिवारों तक पहुंच

• 1,21,000 तैयार भोजन लोगो तक पहुंचाया गया।

स्थानीय सामुदायिक रसोइयों को सहयोग

17 सामुदायिक रसोइयों को **1,43,000** भोजन के लिए **43,000** किलो राशन के माध्यम से सहयोग।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

1,90,000 फेस मास्क तथा **80,000 से अधिक सेनेटरी पैड** तैयार किए गए।

अभावो को भरने के प्रयास तथा नेटवर्क की पहुँच को बढ़ाना

23 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो में **230 सहभागी संस्थाओ** के साथ कार्यो की शुरुआत।

उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ **व्यापक स्तर** पर काम।

राहत किट के लिए किसानो से सीधे तौर पर 55,000 किलो से अधिक सब्जिया खरीदी गयी।

हमारी किट में जोड़ी जा रही अन्य वस्तुएं...

साबुन तथा स्वच्छता संबंधी सामान- **87,000 से अधिक।**

झोला (कपड़े से बना बैग)- **3,700 से अधिक**।

आसन, सुजनी और दरी- **5,000 से अधिक**।

किताबे एवं खिलौने- **1000 से अधिक**।

हमारा सहयोग कीजिये:

- **तत्काल आवश्यकता**

थोक रूप में सामग्री सहयोग- https://bit.ly/2yR000h

राशि सहयोग के लिये- https://bit.ly/3b52CpJ

- **गूँज संस्थापक अंशु गुप्ता** द्वारा किये गए वेबिनार देखने के लिये

चर्चा 2020 जलवायु परिवर्तन तथा आपदा प्रबंधन- https://bit.ly/3cFimk3

- गूँज के लिये सहयोग राशि जुटाने के लिये आप **फंडरेज़िंग कैंपेन शुरू कर सकते है** और अपने नेटवर्क में प्रेषित कर सकते है।
- अधिक जानकारी के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखे।

शब्दों का मोल: मीडिया में गूँज की उपस्थिति

टाइम्स ऑफ़ इंडिया - https://bit.ly/2ZaMOPg

द गार्डियन - https://bit.ly/2WNsobU

मनी कण्ट्रोल - https://bit.ly/2YQL7WK

रूरल मार्केटिंग - https://bit.ly/3boVPX6

पिछली रिपोर्ट:

- 10 अप्रैल- COVID-19- प्रवासी श्रमिकों का विस्थापन

- 17 अप्रैल - COVID-19- भूख और विस्थापन की आपदा
- 27 अप्रैल- राहत COVID- भुला दिए गए ग्रामीण भारत को सहेजने की कोशिश
- 4 मई- राहत COVID - ग्रामीण भारत तक पहुँच
- 11 मई- राहत COVID- समाज के वंचित और कमजोर वर्ग को नजरंदाज़ ना करना।
  रिपोर्ट को पढ़ने के लिए- https://bit.ly/2K1JH3e

गूँज कार्यालय में नए दिशानिर्देशों के साथ, पहले की ही भांति पुरानी/नई सामग्रियों को स्वीकार किया जा रहा है। (मई 20, 2020 से लागू)

अधिक जानकारी के लिए www.goonj.org पर जाएं।